सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 62, नई दिल्ली । मंगलवार, 14 मई 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

समय रहते कर लीजिये
समय की कद्र, क्योंकि
समय से बलवान कोई नहीं

03 10वीं-12वीं की टॉप टेन रैंकिंग में दिल्ली ने बनाई जगह...
06 क्या कहते हैं जीएसटी के आंकड़े?
08 सुशील मोदी की निधन से राजनीतिक गलियारे में शोक की लहर

यात्रा अनुभव को बढ़ाना: सर्वश्रेष्ठ टोल प्लाजा का महत्व

आधुनिक बुनियादी ढांचे के दायरे में, टोल प्लाजा महत्वपूर्ण चौकियों के रूप में कार्य करते हैं जो सुगम यात्रा और कुशल परिवहन प्रणाली की सुविधा प्रदान करते हैं। हालाँकि, ₹बेस्ट टोल प्लाजा₹ शब्द में केवल एक भौतिक संरचना से कहीं अधिक शामिल है; यह यात्रियों के अनुभवों को बढ़ाने और इष्टतम सेवा वितरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक समग्र दृष्टिकोण का प्रतीक है।

इसके मूल में, एक सर्वश्रेष्ठ टोल प्लाजा को यात्रियों के लिए सुविधा, सुरक्षा और दक्षता को अधिकतम करने के उद्देश्य से कई प्रमुख विशेषताओं की विशेषता है। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण है निर्बाध कनेक्टिविटी, जिसके तहत टोल प्लाजा को रणनीतिक रूप से स्थित किया जाता है ताकि चक्कर और भीड़ को कम किया जा सके, जिससे यात्रा का समय और ईंधन की खपत कम हो।

इसके अलावा, एक सर्वश्रेष्ठ टोल प्लाजा अनुकरणीय सेवाओं के प्रावधान के माध्यम से ग्राहकों की संतुष्टि को प्राथमिकता देता है। इसमें सुव्यवस्थित टोल संग्रह प्रक्रियाएं, लेनदेन में तेजी लाने और प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ईटीसी) सिस्टम और आरएफआईडी टैग जैसी प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, नकद, कार्ड और डिजिटल वॉलेट सहित भुगतान के विभिन्न तरीकों के लिए समर्पित लेन, विविध यात्रियों की प्राथमिकताओं को पूरा करती हैं और परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करती हैं।

इसके अलावा, जोखिमों को कम करने और यात्रियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए मजबूत उपायों के साथ, बेस्ट टोल प्लाजा पर सुरक्षा सर्वोपरि बनी हुई है। इसमें अच्छी रोशनी और उचित रूप से बनाए रखा गया बुनियादी ढांचा शामिल है, साथ ही दुर्घटनाओं को रोकने और सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए कड़े यातायात नियमों का पालन भी शामिल है।

कार्यात्मक पहलुओं से परे, सर्वश्रेष्ठ टोल प्लाजा सौंदर्यशास्त्र और पर्यावरणीय स्थिरता के महत्व को भी पहचानते हैं। सोच-समझकर डिज़ाइन की गई संरचनाएं उनके परिवेश को पूरक बनाती हैं, हरित भूदृश्य और ऊर्जा-कुशल प्रकाश व्यवस्था जैसी पहलों के माध्यम से पारिस्थितिक प्रभाव को कम करते हुए परिदृश्य में सहजता से एकीकृत होती हैं।

एक बेस्ट टोल प्लाजा महज एक चेकपॉइंट के रूप में अपनी भूमिका से आगे बढ़कर आधुनिक परिवहन बुनियादी ढांचे की आधारशिला के रूप में विकसित होता है। सुविधा, सुरक्षा, दक्षता और स्थिरता को प्राथमिकता देकर, ये सुविधाएं यात्रा के अनुभव को फिर से परिभाषित करने का प्रयास करती हैं, जो उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो राजमार्ग की सीमाओं से परे यात्रियों के साथ प्रतिध्वनित होती है।

गुड़गांव-फरीदाबाद टोल प्लाजा ने TAG प्रणाली को अपनाया

दशकों से, गुड़गांव-फरीदाबाद टोल प्लाजा एक बाधा के रूप में खड़ा है, जो यातायात के प्रवाह को बाधित करता है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इन हलचल वाले शहरों के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को निराश करता है। अपनी लंबे समय से स्थापित उपस्थिति के बावजूद, टोल प्लाजा ने आधुनिक परिवहन की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष किया है, जिससे सुधार की मांग बढ़ रही है। अब, जैसे ही जून 2024 के अंत तक TAG (ट्रांजिट एक्सेस गेटवे) प्रणाली के आसन्न कार्यान्वयन की खबरें सामने आती हैं, कार्रवाई में देरी और इस विलंबित प्रतिक्रिया के निहितार्थ के बारे में सवाल उठते हैं।

गुड़गांव-फरीदाबाद टोल प्लाजा, जिसे कभी निर्बाध यात्रा की सुविधा देने वाले प्रवेश द्वार के रूप में देखा गया था, पिछले कुछ वर्षों में अपने इच्छित उद्देश्य से कम हो गया है। लगातार भीड़भाड़, लंबी कतारें और परिचालन संबंधी अक्षमताओं ने यात्रियों के अनुभव को खराब कर दिया है, जिससे व्यापक निराशा हुई है और सुधार की मांग की जा रही है। सुधार के लिए कई शिकायतों और याचिकाओं के बावजूद, ठोस बदलाव नहीं हो पाए हैं, जिससे यात्रियों को टोल प्लाजा की लगातार कमियों से जूझना पड़ रहा है।

अब, TAG प्रणाली के आसन्न कार्यान्वयन की घोषणा के साथ, लंबे समय से प्रतीक्षित परिवर्तन की आशा की किरण दिखाई दे रही है। TAG प्रणाली, जो वाहनों पर चिपकाए गए RFID (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) टैग के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ETC) को सक्षम करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाती है, टोल संग्रह प्रक्रिया में क्रांति लाने का वादा करती है। मैन्युअल नकद लेनदेन की आवश्यकता को समाप्त करके और टोल भुगतान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करके, TAG प्रणाली का उद्देश्य भीड़भाड़ को कम करना, यात्रा के समय को कम करना और टोल प्लाजा पर समग्र दक्षता में वृद्धि करना है।

हालाँकि, सवाल उठता है: ऐसे सुधारों को अमल में लाने में इतना समय क्यों लगा? गुड़गांव-फरीदाबाद टोल प्लाजा पर दशकों से चली आ रही समस्याओं ने यात्रियों को निराश कर दिया है और अधिकारियों की सार्थक परिवर्तन करने की क्षमता पर संदेह किया है। आधुनिक टोल संग्रह प्रणाली को लागू करने में देरी प्रणालीगत जड़ता और नौकरशाही बाधाओं को दर्शाती है जिसने प्रगति में बाधा उत्पन्न की है।

इसके अलावा, TAG प्रणाली के कार्यान्वयन का समय, जो जून 2024 के अंत में निर्धारित है, इस हस्तक्षेप की प्रभावकारिता के बारे में चिंता पैदा करता है। वर्षों की संचित हताशा और असुविधा के साथ, यात्रियों को आश्चर्य हो सकता है कि क्या यह कार्रवाई टोल प्लाजा के जटिल मुद्दों को पर्याप्त रूप से संबोधित करने के लिए बहुत देर से आती है। इसके अलावा, आसन्न समय सीमा ने कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए हितधारकों पर दबाव बढ़ा दिया है, जिससे सिस्टम की तैयारी और संभावित शुरुआती समस्याओं पर सवाल खड़े हो गए हैं।

इन चुनौतियों के बावजूद, TAG प्रणाली की शुरूआत लंबे समय से चली आ रही शिकायतों को दूर करने और गुड़गांव-फरीदाबाद टोल प्लाजा के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करती है। तकनीकी नवाचार को अपनाने और यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देकर, अधिकारियों के पास इस महत्वपूर्ण परिवहन धमनी को पुनर्जीवित करने और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की प्रभावशीलता में विश्वास बहाल करने का अवसर है। हालाँकि, इस प्रयास की सफलता अंततः प्रभावी कार्यान्वयन, निरंतर निगरानी और भीड़भाड़ और अक्षमता के मूल कारणों को संबोधित करने की प्रतिबद्धता पर निर्भर करेगी। केवल समय ही बताएगा कि क्या TAG प्रणाली निर्बाध यात्रा के एक नए युग की शुरुआत करती है या केवल पिछली कमियों को सुधारने के लिए एक देर से किए गए प्रयास का प्रतिनिधित्व करती है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा : सड़क किनारे पार्किंग प्रवर्तन पर रिपोर्ट, फरीदाबाद

हाल ही में हुई दुर्घटनाओं में हुई मौतों को देखते हुए, सड़क किनारे पार्किंग की व्यापक समस्या के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई आवश्यक है। कई घटनाओं के बावजूद, ढीले प्रवर्तन ने बड़ी लॉरियों और ट्रेलरों को दिन के उजाले के दौरान सर्विस सड़कों पर कब्जा करने की अनुमति दी है। यह अनियंत्रित पार्किंग न केवल यातायात के प्रवाह को बाधित करती है, बल्कि गलत तरीके से ड्राइविंग को भी बढ़ावा देती है, जिससे भीड़भाड़ बढ़ जाती है, खासकर व्यस्त कार्यालय समय के दौरान।

इस खतरनाक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल उपाय किये जाने चाहिए। सर्विस रोड पर अनधिकृत पार्किंग को रोकने के लिए सख्त प्रवर्तन प्रोटोकॉल लागू किया जाना चाहिए। अनुपालन स्थापित करने और सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उल्लंघनकर्ताओं के लिए निगरानी और दंड में वृद्धि आवश्यक है।

इसके अलावा, ड्राइवरों को अनुचित पार्किंग के खतरों और सड़क सुरक्षा पर पड़ने वाले परिणामों के बारे में शिक्षित करने के लिए जन जागरूकता अभियान शुरू किया जाना चाहिए। इस मुद्दे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों, स्थानीय अधिकारियों और सामुदायिक हितधारकों से जुड़े सहयोगात्मक प्रयास महत्वपूर्ण हैं।

सख्त प्रवर्तन और सक्रिय उपायों को प्राथमिकता देकर, हम सड़क किनारे पार्किंग से जुड़े जोखिमों को कम कर सकते हैं और मोटर चालकों और पैदल यात्रियों के जीवन की रक्षा कर सकते हैं।

सागर मोटर में संपन्न हुआ ईवी -डे सेलिब्रेशन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। 12 मई रविवार को सागर मोटर्स पटपड़गंज दिल्ली में ईवी-डे सेलिब्रेशन हुआ सागर मोटर के ग्रुप ई वी सेल्स हेड अश्वनी वी गुप्ता जी ने प्रेस रिलीज में या बताया उन्होंने टाटा मोटर्स की मोस्ट विश्वासनीय 1100+ ईवी के हैप्पी कस्टमर्स का सेलिब्रेशन किया जो कि अपने आप में एक सराहनीय कार्य है !

इस उपलक्ष में सागर मोटर ने इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल संगठन को चीफ गेस्ट इनवाइट किया जिसमें प्रमुख रूप से अध्यक्ष डॉक्टर एस के सरोज जी नेशनल प्रेसिडेंट डॉक्टर राजीव मिश्रा गौतम बुद्ध नगर वाइस प्रेसिडेंट श्री नरेंद्र झा की प्रमुख रूप से उपलब्ध रहे और 100 से भी ज्यादा सागर मोटर्स के एम्पलाई के साथ उन्होंने संवाद किया और उनको बहुत-बहुत धन्यवाद दिया अगले साल उम्मीद करते हैं कि 1100 की संख्या 11000 हैप्पी कस्टमर्स मे हो जाएगी और उसके बाद 11 लाख में जिस तरीके से ई वी के क्षेत्र में प्रगति हो रही है और दिन पर दिन ई वी गाड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है उसे यह तो साबित होता है कि एक दिन आने वाले समय में पेट्रोल डीजल की गाड़ियां बहुत ही जल्द बंद हो जाएगी और उसके विकल्प के रूप में सीएनजी एव और हाइड्रोजन गाड़ियां मार्केट में यह बहुत ही खुशी का विषय है और हमारे माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी का सपना 2041 में 100% ई वी ऑटोमोबाइल सेक्टर को लाना है नितिन गडकरी जी जो कि हमारे वर्तमान में ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर भी है वह हर तरीके का प्रयास कर रहे हैं कि ई वी को भारत में लाने के लिए जो भी प्रयास हो सकता है सरकार उसमें पूरा सहयोग कर रही है, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल संगठन कंधे से कन्धा मिलकर सरकार के साथ इलेक्ट्रिक इंडस्ट्री के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है !

अंत मे अश्वनी वी गुप्ता जी के द्वारा टाटा मोटर्स द्वारा ई वी कारो के बारे मे विस्तृत रूप से बताया गया एवं साथ ही साथ अध्यक्ष डॉक्टर एस के सरोज जी एवं टीम के सभी सदस्यो को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया है !

दिल्ली में 14 मई को आईपीएल 2024 का आखिरी मैच, प्रभावित रहेगा यातायात; पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स (Delhi Capitals) और लखनऊ सुपर जाइंट्स (Lucknow Super Giants) के बीच आईपीएल-2024 मैच होने वाला है। इस कारण स्टेडियम में बड़ी संख्या में दर्शक आने की संभावना है। मैच शाम सात बजे से रात 1130 बजे तक होगा। दिल्ली में आईपीएल सीजन 2024 का ये अंतिम मैच है।

नई दिल्ली। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स (Delhi Capitals) और लखनऊ सुपर जाइंट्स (Lucknow Super Giants) के बीच आईपीएल-2024 मैच होने वाला है। इस कारण स्टेडियम में बड़ी संख्या में दर्शक आने की संभावना है।

मैच शाम सात बजे से रात 11:30 बजे तक होगा। दिल्ली में आईपीएल सीजन 2024 का ये अंतिम मैच है। ऐसे में मैच में अन्य मुकाबलों की अपेक्षा ज्यादा भीड़ रहने की संभावना है। दर्शकों की भीड़ के चलते जाम के हालात बनने की संभावना को देखते हुए दिल्ली यातायात पुलिस ने यातायात व्यवस्था में परिवर्तन किया है।

डायवर्जन योजना

बहादुर शाह जफर मार्ग (बीएसजेड मार्ग) और जेएलएन मार्ग पर आवश्यकतानुसार डायवर्जन/प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

वाहन चालकों को मैच के दिन शाम पांच बजे से रात 11:30 बजे तक दिल्ली गेट से आईटीओ चौक तक बहादुर शाह जफर मार्ग, राजघाट से दिल्ली गेट तक जेएलएन मार्ग का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दी है।

यह रहेगी शटल सुविधा

आईटीओ मेट्रो स्टेशन और प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो का उपयोग करने वाले दर्शकों के लिए शटल सुविधा उपलब्ध है।

यह होगी पार्किंग की सुविधा

गेट नंबर-एक से आठ और 16 से 18 के लिए माता सुंदरी मार्ग पार्किंग। गेट नंबर-नौ से 15 के लिए राजघाट पावर हाउस रोड और वेलोड्रोम रोड पर दर्शक अपने वाहन पार्क कर सकते हैं। स्टेडियम तक पहुंचने के लिए शटल सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

कैब पिकअप और ड्रापआउट प्वाइंट

गेट नंबर दो, बीएसजेड मार्ग पर मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (आईटीओ से दिल्ली गेट कैरिजवे), राजघाट चौकa

पर्यावरण पाठशाला: भारत के हरियाली क्रांति के वर्तमान नायकों की कहानियों की अनोखी पहल

आज की दुनिया में पर्यावरण संरक्षण और हरित क्रांति के लिए कई लोग अपने अनूठे पहल कर रहे हैं। भारत में भी कई ऐसे नायक हैं जो अपने क्षेत्र में प्रतिष्ठित हैं और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हैं। ₹पर्यावरण पाठशाला₹ एक ऐसा पहल है जो इन हरियाली क्रांति के नायकों की कहानियों को साझा करने का माध्यम बनाता है। इसमें हम उनकी प्रेरणादायक कहानियों को साझा करते हैं, जो हमें पर्यावरण की दिशा में अग्रसर करने के लिए प्रेरित करती हैं।

"मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति के संयोजक डॉ. आचार्य राम कुमार बघेल"

बाल्यावस्था से ही प्रकृति को माँ मानकर सेवा कर रहे डॉ. आचार्य राम कुमार बघेल जिला पलवल, हरियाणा के निवासी हैं। माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः का संदेश देते हुए लोगों को धरती माँ की रक्षा के लिए जागरूक कर रहे हैं। मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति के संयोजक तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्था एनजीआईपीएफ के ग्रीन एम्बेसडर बनाए गए हैं।

पक्षियों के लिए हस्तनिर्मित हजारों घोंसले लगाने के साथ- साथ शीतल जलपात्रों को रख नन्हें पक्षी मित्रों के संरक्षण को लेकर जनजागृति में लगे हुए हैं। खुशी हो या गम- आओ पौधे लगाएं हम अभियान को लेकर जन्म, मृत्यु, विवाहोत्सव, पर्वों आदि पर पौधारोपण कराने व प्रकृति पर्यावरण संरक्षण का संकल्प कराते हैं। दिन की शुरुआत- प्रकृति माँ की सेवा के साथ नियमित कम से कम दो घण्टे या इससे अधिक समय पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करते हैं।

प्रशासन के साथ विभिन्न समाज सेवा कार्यों में भागीदारी रहती है तथा रैडक्रास के आजीवन सदस्य हैं। राष्ट्र भक्तों की स्मृति, राष्ट्र पर्वों तथा सामाजिक व धार्मिक आदि सभी अवसरों पर हजारों पौधों का रोपण तथा उपयोगी औषधिय पौधों का वितरण करते रहते हैं। जीओ ओर जीने दो के साथ जीवों पर दया करें, शाकाहारी बनें, जल बचाओ, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं नारी सम्मान के साथ प्रकृति की रक्षा करे, जहाँ हरियाली- वहाँ खुशहाली के साथ आओ मिलकर जनक्रांति से हरितक्रांति ओर चलें के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं। हरियाणा राज्य तथा अन्य विभिन्न राज्यों में भी प्रकृति पर्यावरण संरक्षण का अलख जगाने में लगे हुए हैं। अपनी टीम के सदस्यों मास्टर मानिकचन्द, मास्टर थानसिंह, अमरपाल, देव, गजेंद्र आदि साथियों के साथ सार्वजनिक स्थलों, शिक्षण संस्थानों आदि में पौधों की सिंचाई, रोपण तथा जागरूक कार्यक्रमों द्वारा जागरूक कर प्रकृति योद्धा तैयार कर रहे हैं। सैंकड़ों प्रशस्ति पत्र तथा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होने वाले डॉ. आचार्य राम कुमार बघेल की टीम किसी से कोई आर्थिक सहायता लिए बिना स्वयं प्रकृति पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करते हैं।

यदि आपके पास कोई कहानी है, तो हमारे साथ साझा करें और हमारे हरित क्रांति आंदोलन का हिस्सा बनें

indiangreenbuddy@gmail.com

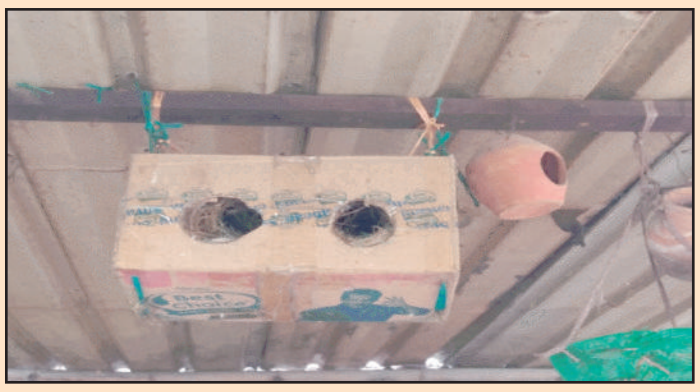

माँ

माँ तू है एक अनसुलझी सी पहेली
लेकिन तू है मेरी सच्ची सहेली
तुझसे हर दर्द अपना बाँट लेती हूँ
अठखेलियां भी तेरे संग खूब खेलती हूँ
माँ तू मेरी हिम्मत और है ताकत
तू ही मेरा सकूँ और है राहत
पूष कि रातों में तेरा जागना
उठ उठ मुझको रजाई ओढना
रोजाना सुबह से अपनी दिनचर्या में लग जाना
सिरहाने पर आके प्यार से तेरा वो जगाना
इम्तहान हों जब जब मेरे
हुए हैं मेरे संग कई जागरण तेरे
माँ हर विशेषण तेरे लिये हैं कम
तेरे हर त्याग को याद कर आँखे होती हैं नम
माँ तू ईश्वर का रूप है
छाया दे हमको सहती स्वयं धूप है!!
Joshi's wordings

लड्डू गोपाल को भूलकर भी न अर्पित करें ऐसी तुलसी, वरना नहीं मिलेगा पूजा का पूरा फल

लड्डू गोपाल को तुलसी अर्पित करने के कुछ नियम होते हैं। लेकिन नियमों की जानकारी न होने के कारण लोग अंजाने में लड्डू गोपाल को गलत तरीके से तुलसी दल अर्पित करते हैं। जिस कारण उनको पूजा का पूरा फल नहीं मिलता है।

कई घरों में लड्डू गोपाल की सेवा की जाती है। वैसे तो लल्ला की सेवा विधि करना बेहद आसान है। लड्डू गोपाल की सेवा एक छोटे बच्चे की तरह की जाती है। लड्डू गोपाल की पूजा-सेवा के दौरान उनको तुलसी पत्र और मंजरी भी अर्पित की जाती है। बता दें कि तुलसी के बिना लड्डू गोपाल की पूजा अधूरी मानी जाती है। ऐसे में हर कोई लड्डू गोपाल को स्नान कराने के बाद उनके मस्तक पर तुलसी पत्र अर्पित करते हैं। वहीं लड्डू गोपाल के भोग में भी तुलसी डाली जाती है।

आपको बता दें कि लड्डू गोपाल को भगवान श्रीकृष्ण का बाल स्वरूप माना जाता है। वहीं लड्डू गोपाल को तुलसी अर्पित करने के कुछ नियम होते हैं। लेकिन नियमों की जानकारी न होने के कारण लोग अंजाने में लड्डू गोपाल को गलत तरीके से तुलसी दल अर्पित करते हैं। जिस कारण उनको पूजा का पूरा फल नहीं मिलता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लड्डू गोपाल को तुलसी दल अर्पित करने सही तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

लड्डू गोपाल को ऐसी तुलसी न करें अर्पित

लड्डू गोपाल को कभी तुलसी के पत्ते तोड़कर टुकड़ों में अर्पित नहीं करना चाहिए। लड्डू गोपाल को हमेशा साबुत तुलसी के पत्ते अर्पित करने चाहिए। ताजी तुलसी की पत्ती तोड़कर इन्हें लड्डू गोपाल के मस्तक पर चिपकाएं।

कभी भी लड्डू गोपाल को बासी तुलसी के पत्ते नहीं अर्पित करनी चाहिए। सिर्फ रविवार और एकादशी तिथि को ही आप लड्डू गोपाल को एक दिन पहले तोड़ी हुई तुलसी की पत्तियां अर्पित कर सकते हैं।

बहुत सारे लोग सुखी तुलसी या तुलसी की पत्तियों को सुखाकर उनका चुरा बना लेते हैं। फिर बाद में वहीं तुलसी की पत्तियों को लड्डू गोपाल को अर्पित करते हैं। लेकिन ऐसा करने से बचना चाहिए।

लड्डू गोपाल को अर्पित करें ऐसी तुलसी

हमेशा साफ-सुथरी और ताजे तुलसी के पत्ते ही लड्डू गोपाल को अर्पित करना चाहिए।

लड्डू गोपाल को अर्पित करने वाले तुलसी के पत्ते कटे-फटे नहीं होने चाहिए।

कई बार तुलसी के पौधे में कीड़े लग जाते हैं, जिसके कारण पत्तियों में छेद हो जाते हैं। इसलिए लड्डू गोपाल को यह तुलसी की ऐसी पत्तियां नहीं अर्पित करनी चाहिए।

तुलसी की पत्तियों को रविवार और एकादशी के दिन नहीं तोड़ना चाहिए। इसलिए लड्डू गोपाल को तुलसी की पत्तियां अर्पित करने के लिए आप शनिवार और दशमी तिथि पर इन्हें तोड़कर रख सकते हैं और दूसरे दिन अर्पित कर सकते हैं।

उज्जैन के इन पांच मंदिरों की दूर-दूर तक फैली ख्याति, दर्शन करने से खुल जाते हैं भाग्य

अनन्या मिश्रा

आज हम आपको उज्जैन के पांच दिव्य मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन मंदिरों के बारे में कहा जाता है कि यहां पर जाने भर के भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। आइए जानते हैं इन मंदिरों के बारे में।

भारत देश में कई ऐसे फेमस और प्राचीन मंदिर हैं, जो बेहद चमत्कारी माने जाते हैं। इस मंदिरों में न सिर्फ रहस्यों का अंबार है, बल्कि माना जाता है कि मंदिर में दिव्य शक्तियों का संचार होता है। ऐसे में जो भी व्यक्ति अपनी मनोकामना के साथ मंदिर में प्रवेश करता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उज्जैन के पांच दिव्य मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन मंदिरों के बारे में कहा जाता है कि यहां पर जाने भर के भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। आइए जानते हैं इन मंदिरों के बारे में...

देवी हरसिद्धि मंदिर

आपको बता दें कि शिप्रा नदी के पास देवी हरसिद्धि मंदिर है। इस मंदिर को 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। इस मंदिर में भगवान शंकर मां गौरा के साथ विराजमान हैं। इस मंदिर में माता सती की कोहनी की पूजा-अर्चना की जाती है। वहीं मंदिर में महालक्ष्मी और महासरस्वती भी स्थापित हैं। मान्यता के मुताबिक इस मंदिर के दर्शन करने से व्यक्ति को जीवन में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती है।

काल भैरव मंदिर

काल भैरव को भगवान शिव शंकर का रौद्र रूप माना जाता है। मुख्य रूप से तांत्रिक भगवान काल भैरव की पूजा-अर्चना करते हैं। लेकिन गृहस्थ जीवन जीने वाले लोग भी काल भैरव की सात्विक पूजा कर सकते हैं। जो भी व्यक्ति काल भैरव के मंदिर जाकर उनके दर्शन कर पूजा-अर्चना करता है, उसकी नकारात्मकता या बुरी शक्तियां दूर हो जाती हैं और नजर दोष भी उतर जाती है।

चौबीस खंभा माता मंदिर

उज्जैन में स्थित चौबीस खंभा माता मंदिर आस्था का बड़ा केंद्र माना जाता है। इस मंदिर यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि मंदिर में चौबीस खंभे बने हुए हैं। बताया जाता है कि इस चौबीस खंभों की परिक्रमा करने के बाद यदि व्यक्ति माता रानी से कोई मनोकामना मागंता है, तो उसकी हर मन्नत पूरी होती है। वहीं यदि आपका कोई काम बिगड़ा हो या काम बन नहीं रहा हो, तो वह भी पूरा हो जाता है।

मंगलनाथ मंदिर

उज्जैन के मंगलनाथ मंदिर भी काफी ज्यादा लोकप्रिय है। इस मंदिर का उल्लेख मत्स्य पुराण में मिलता है। बताया जाता है कि वर्तमान समय में यह मंदिर उसी स्थान पर है, जहां पर मंगल ग्रह का जन्म हुआ था। इस मंदिर के दर्शन मात्र से मंगल दोष दूर हो जाता है। वहीं मंदिर के दर्शन से कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति मजबूत होती है और व्यक्ति को शुभ परिणाम मिलते हैं।

महाकालेश्वर मंदिर

उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर का उल्लेख पुराणों, महाभारत और कालिदास जी की रचनाओं में भी मिलता है। महाकालेश्वर मंदिर को लेकर ऐसी मान्यता है कि यदि दूर से भी किसी व्यक्ति को इस मंदिर के दर्शन हो जाएं और व्यक्ति मनोकामना मांगे, तो महादेव उस जातक की इच्छा जरूर पूरी करते हैं।

काशी के प्रसिद्ध मंदिर

भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर को हिंदुओं के पवित्र तीर्थस्थलों में शामिल किया जाता है। इस पवित्र शहर को काशी के नाम से भी जाना जाता है। वाराणसी शहर अपने प्राचीन मंदिरों की वजह से देश ही नहीं, बल्कि विदेश में भी काफी फेमस है। काशी में काल भैरव और विश्वनाथ मंदिर के बारे में तो सभी जानते हैं। कहते हैं कि जो काशी गया और काल भैरव के दर्शन नहीं किए, तो बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूरा नहीं होता। बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है काशी विश्वनाथ मंदिर। तो आइए शिव की नगरी कही जाने वाली काशी के प्रसिद्ध और बेहद खास मंदिरों के बारे में जानते हैं।

काल भैरव मंदिर – बाबा काल भैरव के मंदिर में उनके दो रूपों की पूजा होती है। पहले हिस्से में वह बटुक भैरव यानी कि बाल स्वरूप में विराजते हैं। कहते हैं इनके दर्शन से संतान प्राप्ति होती है। दूसरा रूप आदि भैरव के रूप में है। बाबा के इस स्वरूप के दर्शन करने से राहु केतु की बाधा दूर हो जाती है। काशी विश्वनाथ मंदिर – कहते हैं कि इस मंदिर के दर्शन करने और गंगा में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। शिव की नगरी में इस मंदिर के वर्तमान निर्माण के बारे में कहा जाता है कि महारानी अहिल्या बाई होल्कर ने सन 1780 में इसका निर्माण करवाया था। बाद में महाराजा रणजीत सिंह ने 1853 में इसका निर्माण सोने से करवाया।

दुर्गा मां मंदिर– काशी में मां दुर्गा के दो अद्भुत मंदिर हैं। इसमें पहला दुर्गा कुंड के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में माता के कई स्वरूपों का दर्शन करने का सौभाग्य मिलता है। कहते हैं कि इस मंदिर में स्थापित मां की मुख्य प्रतिमा स्वयंभू है। इसके अलावा मंदिर प्रांगण में ही एक कुंड है। इसके चलते ही यह मंदिर दुर्गा कुंड के नाम से प्रसिद्ध है।

गंगा पार मां दुर्गा का भव्य मंदिर– काशी में गंगा के पार जाने पर मां दुर्गा का एक अन्य भव्य मंदिर मिलता है। इसकी भव्यता ऐसी है कि कहा जाता है कि मंदिर परिसर में जाने वाले भक्त मां की प्रतिमा को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। मंदिर में एक अलग तरह की सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह महसूस होता है। कहते हैं कि इस मंदिर का निर्माण भी काशी के राजा ने करवाया था।

रामेश्वर महादेव मंदिर– काशी में स्थापित रामेश्वर महादेव मंदिर के बारे में कथा मिलती है कि जब श्रीराम को रावण के वध के कारण ब्रह्महत्या का दोष लगा, तो वह प्रायश्चित करने यहां आए थे। उन्होंने काशी में पंचकोशी परिक्रमा करके वरुणा तट पर शिवलिंग की स्थापना की और पूजा अर्चना की। तब से इस स्थान का नाम रामेश्वर महादेव मंदिर पड़ा। कहते हैं कि यहां पूजा करने वाले भक्तों को श्रीराम और भोलेनाथ दोनों की ही कृपा मिलती है।

शिवपुरी पांडव – शिवपुरी पांडव के बारे में कथा मिलती है कि द्वापर युग में निर्वासन के दौरान जब पांडव अपनी पत्नी द्रौपदी के साथ काशी पहुंचे, तो उन्होंने यहां पर पांच शिवलिंगों की स्थापना की। मंदिर में स्थापित शिवलिंग की महिमा देखते ही बनती है। इनका आकार घटते हुए क्रम में है। इसके अलावा मंदिर में पांचों पांडवों और द्रौपदी की मूर्तियां भी स्थापित हैं।

अद्भुत है गणेशजी का यह मंदिर – काशी में स्थापित गणेशजी के इस मंदिर को बड़ा गणेश के नाम से जाना जाता है। कहा जाता है कि यहां गणेशजी की प्रतिमा स्वयं भू है। इसके अलावा इस मंदिर की निर्माण शैली बेहद खास है। यह मंदिर 40 खंभों पर टिका है। मंदिर में श्री गणेशजी साढ़े 5 फुट और तीन नेत्रों वाली प्रतिमा के रूप में विद्यमान हैं। इसके अलावा उनके साथ ऋद्धि-सिद्धि और उनके पुत्र शुभ और लाभ भी विराजमान हैं।

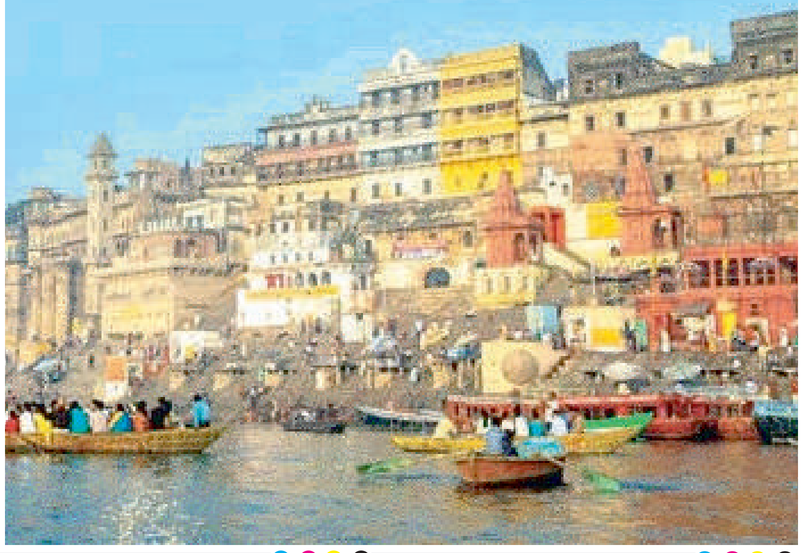

10वीं-12वीं की टॉप टेन रैंकिंग में दिल्ली ने बनाई जगह, दोनों कक्षाओं का पास प्रतिशत भी बढ़ा

सीबीएसई के परिणाम का बेसब्री से इंतजार कर रहे विद्यार्थियों ने आखिरकार परिणाम जारी होते ही चैन की सांस ली। बोर्ड ने बीते वर्ष की तुलना में एक दिन की देरी से परिणाम जारी कर दिया। बीते वर्ष 12 मई को एक ही दिन दोनों कक्षाओं के परिणाम जारी कर दिए थे।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सीबीएसई के परिणाम का बेसब्री से इंतजार कर रहे विद्यार्थियों ने आखिरकार परिणाम जारी होते ही चैन की सांस ली। बोर्ड ने बीते वर्ष की तुलना में एक दिन की देरी से परिणाम जारी कर दिया। बीते वर्ष बोर्ड ने 12 मई को एक ही दिन दोनों कक्षाओं के परिणाम जारी कर दिए थे। 12वीं का परिणाम सुबह लगभग साढे.11 बजे तो 10वीं का दोपहर डेढ़ बजे के आसपास जारी किया गया। परीक्षा परिणाम जारी होते ही विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। वो अपने सहपाठियों, दोस्तों और शिक्षकों से मिलने सीधे स्कूल पहुंच गए। स्कूलों ने भी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर और माला पहनाकर स्वागत किया। इस बार के परिणाम में दिल्ली ने पास प्रतिशत के साथ-साथ रैंकिंग में भी सुधार किया है। दिल्ली ने 10वीं और 12वीं में रीजनवार परिणाम में टॉप टेन रैंकिंग में अपनी जगह बनाई है।

10वीं के रीजनवार परिणाम में पूर्वी दिल्ली की रैंकिंग सातवें तो पश्चिमी दिल्ली की रैंकिंग आठवें नंबर पर है। बीते वर्ष पश्चिमी दिल्ली की रैंकिंग 13वें तो पूर्वी दिल्ली की रैंकिंग 16वें नंबर पर थी।

वहीं, 12वीं के रीजनवार परिणाम में पश्चिमी दिल्ली की रैंकिंग पांचवें तो पूर्वी दिल्ली की रैंकिंग छठवें नंबर पर है। बीते वर्ष पश्चिमी दिल्ली चौथे तो पूर्वी दिल्ली छठवें नंबर पर थी। परिणामों को अगर देखें तो त्रिवेंद्रम हर बार की तरह इस बार भी 10वीं और 12वीं में अव्वल रहा, दूसरे नंबर पर विजयवाड़ा और चेन्नई तीसरे नंबर पर रहा।

12वीं में टॉप करने वाले रीजन का पास प्रतिशत

रैंक	रीजन	वर्ष 2023-24	वर्ष 2022-23	वर्ष 2021-22
1	त्रिवेंद्रम	99.91	99.91	98.83

दिल्ली की स्थिति

5	पश्चिमी दिल्ली	95.64	93.24	96.29
6	पूर्वी दिल्ली	94.51	91.50	96.29

10वीं में टॉप करने वाले रीजन का पास प्रतिशत

रैंक	रीजन	वर्ष 2023-24	वर्ष 2022-23	वर्ष 2021-22
1	त्रिवेंद्रम	99.91	99.68	

-दिल्ली की स्थिति

7	पूर्वी दिल्ली	94.45	88.30	86.96
8	पश्चिमी दिल्ली	94.18		

सुशील मोदी के दिमाग तक फैल गया था कैंसर, दिल्ली एम्स के डॉक्टरों ने दिया पूरा हेल्थ अपडेट

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का सोमवार को कैंसर के कारण दिल्ली एम्स में निधन हो गया। वे 72 वर्ष के थे। वे पिछले कुछ समय से बीमार थे और कैंसर से जूझ रहे थे। सोमवार रात 945 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। एम्स के डॉक्टर्स के अनुसार उन्हें यूरिनरी ब्लैडर में यूरोथेलियल कैंसर था।

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का सोमवार को कैंसर के कारण दिल्ली एम्स (Delhi AIIMS) में निधन हो गया। वे 72 वर्ष के थे। वे पिछले कुछ समय से बीमार थे और कैंसर से जूझ रहे थे। सोमवार रात 9:45 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने एक्स पर पोस्ट कर उनके निधन पर शोक जाहिर किया है और पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

पीएम मोदी ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पोस्ट में कहा है कि अपने मूल्यवान सहयोगी और दशकों से मित्र रहे सुशील मोदी के असामयिक निधन से अत्यंत दुख हुआ। बिहार में भाजपा के उत्थान और उसकी सफलताओं के पीछे उनका अमूल्य योगदान रहा है।

आपातकाल का पुरजोर विरोध करते हुए, उन्होंने छात्र राजनीति से अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। वे बेहद मेहनती और मिलनसार विधायक के रूप में जाने जाते थे। राजनीति से जुड़े विषयों को लेकर उनकी समझ बहुत गहरी थी। उन्होंने एक प्रशासक के तौर पर भी काफी सराहनीय कार्य किए।

जीएसटी पारित होने में उनकी सक्रिय भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी। जेपी नड्डा ने अपने पोस्ट में कहा कि विद्यार्थी परिषद से लेकर ही हमने साथ में संगठन के लिए लंबे समय तक काम किया। उनका पूरा जीवन बिहार के लिए समर्पित रहा। बिहार को जंगलराज से बाहर निकालकर विकास के पथ पर लाने में उनका प्रयास बहुत मददगार रहा है।

क्या बोले एम्स के डॉक्टर

एम्स के डॉक्टर्स के अनुसार, उन्हें यूरिनरी ब्लैडर में यूरोथेलियल कैंसर था। कैंसर एडवांस स्टेज में पहुंच जाने के कारण मस्तिष्क तक फैल गया था। शुरुआत में यूरोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. अमलेश सेठ उनका इलाज कर रहे थे।

बाद में एम्स के कैंसर सेंटर में उनका इलाज चल रहा था और नौ अप्रैल से एम्स के कैंसर सेंटर में यूरोआंकोलॉजी के विशेषज्ञ डॉ. रणजीत साहू के अंतर्गत प्राइवेट वार्ड में भर्ती थे।

कुछ दिन पहले उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें आईसीयू में भर्ती किया था। बाद में स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार होने पर वह आईसीयू से बाहर वापस प्राइवेट वार्ड में आ गए थे। कैंसर एडवांस स्टेज में होने के कारण उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई।

दिल्ली के AAP MLA की यूपी पुलिस ने बढ़ाई मुश्किलें, मैनेजर को किया गिरफ्तार; विधायक अमानतुल्लाह और बेटे की भी तलाश जारी

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा के सेक्टर-95 में पेट्रोल पंप पर अमानतुल्लाह खान और उनके बेटे अनस द्वारा कर्मियों से मारपीट के मामले में पुलिस ने पहली गिरफ्तार कर ली है। पुलिस ने विधायक के मैनेजर इकरार अहमद को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि मारपीट के दौरान इकरार पेट्रोल पंप पर मौजूद था। अमानतुल्लाह खान और उनके पुत्र समेत अन्य लोगों के खिलाफ सात मई को कोतवाली फेज-वन में मुकदमा दर्ज हुआ है।

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-95 में पेट्रोल पंप पर अमानतुल्लाह खान और उनके बेटे अनस द्वारा कर्मियों से मारपीट के मामले में पुलिस ने पहली गिरफ्तार कर ली है। पुलिस ने विधायक के मैनेजर इकरार अहमद को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि मारपीट के दौरान इकरार पेट्रोल पंप पर मौजूद था।

आप विधायक हैं अमानतुल्लाह

दिल्ली की ओखला सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान और उनके पुत्र समेत अन्य लोगों के खिलाफ सात मई को कोतवाली फेज-वन में मुकदमा दर्ज हुआ है।

शनिवार दोपहर नोएडा पुलिस दिल्ली में आप विधायक अमानतुल्लाह खान के घर नोटिस लेकर दबिश देने भी पहुंची थी। विधायक के घर का दरवाजा बंद मिला और नोटिस प्राप्त करने वाला कोई नहीं मिला। पुलिस नोटिस को चस्पा कर बैरंग लौट गई।

कार में बैठे अन्य लड़कों ने मारपीट की

आरोप है कि सेक्टर-95 स्थित शहीद रामेंद्र प्रताप सिंह के फिलिंग स्टेशन पर मंगलवार सुबह विधायक का बेटा अनस अपनी कार लेकर पहुंचा। उसने लाइन में न लगकर बोला कि आगे वाली गाड़ी को आगे बढ़ाकर मेरे गाड़ी में पहले तेल भर दो। इस पर सेल्समैन ने कहा कि आप लाइन में हैं अभी आपकी गाड़ी में तेल भर जाएगा।

इसी दौरान अनस और उसकी कार में बैठे अन्य लड़कों ने मारपीट की। इसके बाद अमानतुल्लाह खान खुद पहुंचे और मैनेजर को धमकाया। इस घटना के वीडियो सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गए और इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गए।

यूपीआई के जरिये ठगी होना बैंक की सेवाओं में कमी, उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग की टिप्पणी

परिवहन विशेष न्यूज

पूर्वी दिल्ली। अनधिकृत रूप से ठगों द्वारा एक व्यक्ति के बचत खाते से यूपीआइ के जरिये राशि निकालने को बैंक की कमी माना गया है। पीड़िता की शिकायत पर पूर्वी जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने बैंक को आदेश दिया है कि वह यह राशि नौ प्रतिशत ब्याज के साथ लौटाए। साथ में पीड़ित को 25 हजार रुपये मुआवजा और दस हजार रुपये विधिक खर्च का भुगतान करे।

मयूर विहार फेज-दो पाकेट-सी निवासी आशिती शर्मा निजी कंपनी में नौकरी करती हैं। अशिती की शिकायत के अनुसार, 15 फरवरी 2022 ने एलआइसी एजेंट बन एक व्यक्ति ने उनको फोन किया था, यह दावा किया था कि उनका मोबाइल नंबर उनके पिता ने दिया है।

उस व्यक्ति ने उन्हें यह बताया था कि उनके पिता की एलआईसी की बीमा पॉलिसी परिपक्व हो गई है, उसका भुगतान उनके पिता के बैंक खाते में नहीं पाएगा, क्योंकि वह यूपीआई से जुड़ा नहीं है। इसलिए बीमा राशि का भुगतान आपके खाते में करना है।

इस तरह की प्रक्रिया अटपटी लगने पर अशिती ने सवाल किया तो व्यक्ति ने नई निती का हवाला दिया और फोन रख दिया था। फिर एक मिनट बाद दोबारा कॉल कर गूगल पे पर संदेश भेजने लगा, फिर दो रुपये यूपीआई के माध्यम से उनके खाते में भेजे। इसके बाद आशिती के मोबाइल नंबर पर उनके एक्सिस बैंक के खाते से राशि कटने के सात संदेश प्राप्त हुए।

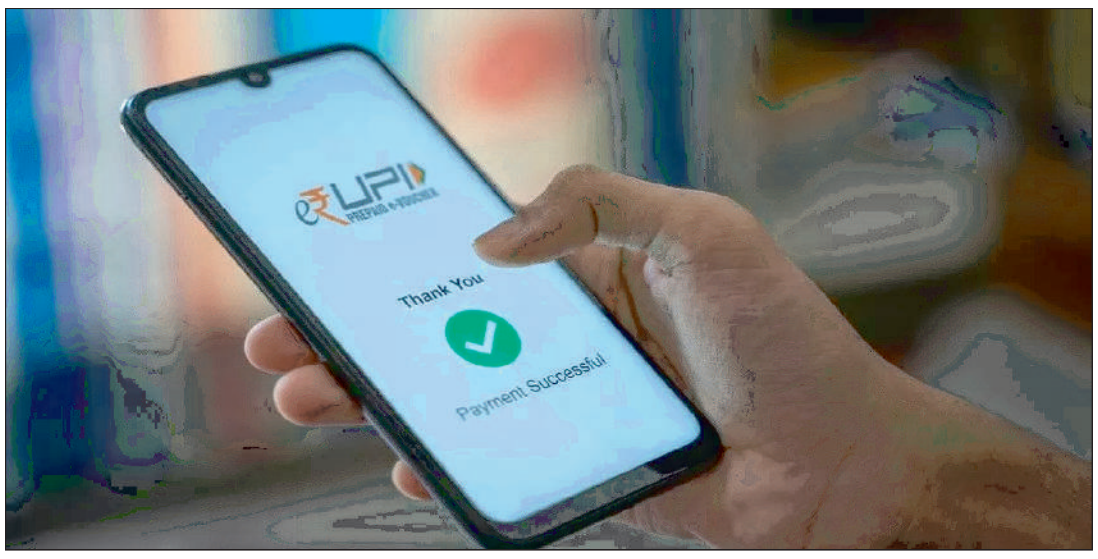

उनके खाते से एक लाख रुपये राशि निकाल ली गई थी। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उनका बैंक खाता हैक कर यह राशि निकाली गई, जोकि किसी बीना शर्मा नाम की महिला के कोटक महिंद्रा बैंक के खाते में ट्रांसफर हुए थे। इसकी शिकायत तत्काल उन्होंने एक्सिस बैंक से की थी।

इसके बाद बैंक ने उनके खाते में उतनी अस्थायी राशि (शेडो क्रेडिट) डाल दी, जोकि दस दिन बाद वापस ले ली। नेशलज साइबर क्राइम सेल में भी इस घटना की शिकायत की गई थी। बैंक से आरबीआइ के नियमों की हवाला देते हुए राशि रिफंड करने की अपील की गई थी, आरोप है कि वो नहीं सुनी गई। फिर आशिती ने मई 2022 में आयोग का रुख कर बैंक की सेवाओं में कमी का आरोप लगाया था।

उनकी शिकायत पर आयोग ने बैंक को नोटिस किया था। बैंक ने आरबीआई की नियमावली का हवाला देते हुए अपना जवाब दाखिल कर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ दिया था। सभी पक्षों को सुनने और तथ्यों को देखने के बाद आयोग ने माना कि आरबीआइ के नियम के तहत शिकायतकर्ता ने समय से बैंक को सूचित किया था, जिससे वह जीरो लाइबिलिटी के अंतर्गत आती हैं। आयोग ने बैंक की सेवाओं में कमी मानी और मुआवजा तय कर दिया।

अपनों से दूर रह रहे बुजुर्गों के लिए तकनीक बनी 'परिवार', सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने इस वजह से रखी नींव

एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने बुजुर्गों को दैनिक जरूरतों के सामान की आपूर्ति के साथ स्वास्थ्य जांच और आपात स्थिति में अस्पताल पहुंचाने व बेहतर चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एक एप बनाया है। योडा मोबाइल एप की सेवा को बेहतर बनाने में पूर्व सैनिक भी योगदान कर रहे हैं। इसमें फोन पर संपर्क न होने पर तत्काल घर पहुंचने की व्यवस्था भी है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। । अगर आप घर से कहीं दूर नौकरी या व्यवसाय करते हैं और आपका परिवार आपसे दूर है, तो उनकी स्वास्थ्य संबंधी और अन्य चिंता को दूर करने का काम यह मोबाइल एप करेगा।

विशेष रूप से अगर आपके स्वजन बुजुर्ग हैं, तो उनकी दैनिक जरूरतों के सामान की आपूर्ति के साथ उनकी स्वास्थ्य जांच और आपात स्थिति में उन्हें अस्पताल पहुंचाने से लेकर बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने का कार्य सेवानिवृत्त सैनिकों द्वारा किया जा रहा है।

कोरोना के बाद स्टार्टअप के तहत शुरू हुए योडा मोबाइल एप से करीब 15 हजार लोग जुड़े हैं। इस एप में एक बटन है, जिसे तीन तरीके से प्रयोग किया जा सकता है।

इसमें किसी भी प्रकार का खतरा होने या मेडिकल इमरजेंसी होने के साथ स्वास्थ्य संबंधी रुटीन और सामान्य जांच के साथ क्रोनिक डिजीज से संबंधित जांच, दवा और इलाज की व्यवस्था की जाती है।

घर पर दवा उपलब्ध कराने से लेकर एंबुलेंस की व्यवस्था, अस्पताल ले जाने से लेकर घर में आईसीयू की व्यवस्था भी इस एप के जरिये की जा रही है।

अक्टूबर 2020 में स्टार्टअप के तहत सॉफ्टवेयर इंजीनियर तरुण शर्मा ने योडा एल्डर केयर नाम से एप शुरू किया। इसमें ऑफिस स्टाफ के अलावा लोगों को चिकित्सकीय सुविधाओं सहित अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए सेवानिवृत्त सैनिकों को जोड़ा गया।

सेना में अनुशासन, सेवाभाव, जिम्मेदारी और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता के साथ समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए पूरी तरह तैयार होने के कारण पूर्व सैनिकों को इस कार्य से जोड़ा गया है।

इससे जहां लोगों को त्वरित मदद मिलने की राह आसान हुई, वहीं पूर्व सैनिकों को भी सम्मान का कार्य मिला। तरुण शर्मा बताते हैं कि इस एप को तैयार करते समय इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया कि बुजुर्गों की जरूरतें किस तरह की होती हैं और उन्हें कैसे कम से कम समय में पूरा किया जा सकता है।

घर का बिल जमा करने से लेकर खाने-पीने की चीजों की व्यवस्था और उनके घूमने-फिरने के साथ शहर के बाहर आने-जाने और रुकने की भी पूरी व्यवस्था हो जाती है।

ऐसे करता है काम

इसमें पहले बुजुर्ग के बारे में पूरी जानकारी लेने के साथ उनके स्वजन और आसपास के रिश्तेदारों की डिटेल अपलोड की जाती है। सर्विस मैनेजमेंट सिस्टम के तहत काम करने वाले इस एप में मोबाइल पर एक बटन होता है।

इसे एक बार दबाने पर सामान्य चीजों की जरूरत को पूरा किया जाता है। अगर इस बटन को तीन सेकेंड तक लगातार दबाकर रखा जाता है, तो एप से जुड़े संबंधित व्यक्ति के स्वजन के साथ कंट्रोल रूम में अलर्ट जाता है और तत्काल विशेषज्ञ व सेवानिवृत्त सैनिक उनसे संपर्क करते हैं।

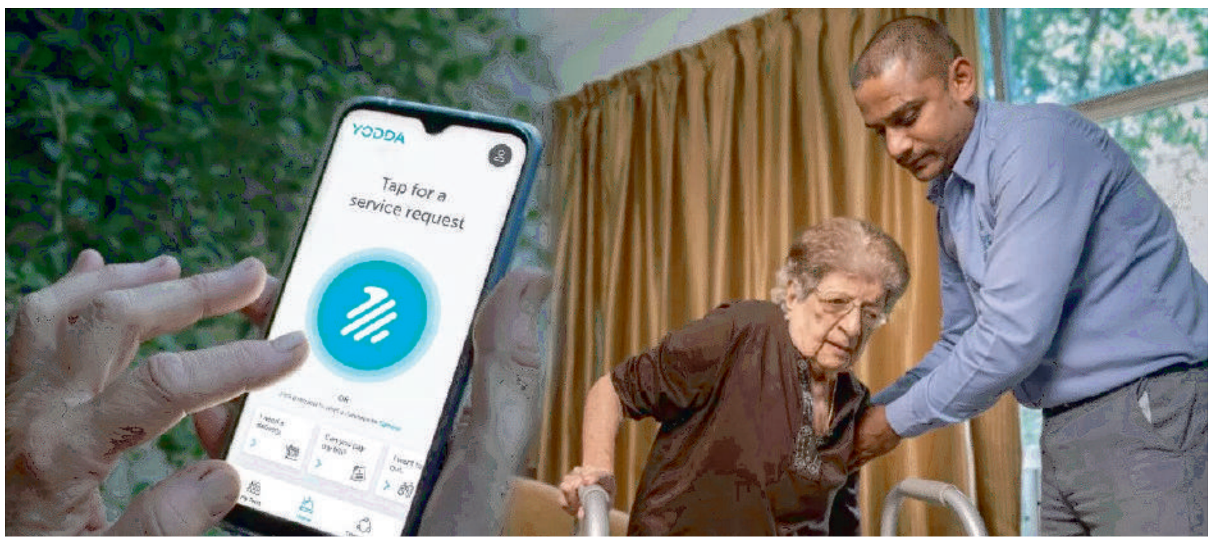

फोन पर संपर्क न होने पर लोकेशन के सबसे नजदीक वाले पूर्व सैनिक को अलर्ट भेजा जाता है, जिससे जल्द से जल्द संबंधित को मदद पहुंचाने के लिए पूर्व सैनिक वहां पहुंच जाता है।

आपात स्थिति होने पर बीमारी से संबंधित नजदीक के अस्पताल का विवरण उपलब्ध हो जाता है। एक तरफ एंबुलेंस की व्यवस्था की जाती है।

दूसरी तरफ टीम का एक सदस्य तत्काल अस्पताल पहुंच जाता है और आपात स्थिति की जानकारी बताकर व्यक्ति के अस्पताल पहुंचने से पहले ही इलाज की व्यवस्था को लाइनअप कर लिया जाता है।

पिता को खोने के बाद समझ आई जरूरत

तरुण शर्मा बताते हैं कि वह 15 वर्ष बोस्टन में रहे। वर्ष 2016 में पिता को लकवा हुआ और दो घंटे तक इलाज नहीं मिला। उनकी माता को वर्ष 2018 में कैंसर का पता लगा और छह माह में उनकी भी मृत्यु हो गई।

कोरोना संक्रमण काल के दौरान कई परिचितों के स्वजन को इलाज नहीं मिल सका। स्वयं के घर से दूर रहने के कारण स्वजन को समय पर इलाज न मिलने और ऐसी ही स्थिति कई परिचितों के साथ सामने आने पर इस स्टार्टअप को शुरू करने की योजना बनाई।

केस स्टडी-1

दिलीप पेंडसे बताते हैं कि वह बेसिक वाइटल्स टेस्ट कर रहे थे, उस समय उनका रक्तचाप 210-113 था। उन्हें अत्याधिक बीपी के कारण होने वाले खतरे का अहसास हुआ और योडा कमांड सेंटर को इसकी जानकारी दी।

वहां से उनके डाक्टर अतुल बेनीवाल, एमडी मेडिसिन से संपर्क किया। उनकी सलाह के आधार तत्काल एंबुलेंस भेज अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उन्हें निगरानी और चिकित्सा परीक्षण के लिए रखा गया था। इससे उनकी जान बचाई गई।

केस स्टडी-2

विजेंद्र प्रकाश ने बताया कि उनकी पत्नी सरिता प्रकाश अचानक बेहोश हो गई थीं। वह पार्किंसंस प्लस सिंड्रोम की दवा ले रही थीं और दवाओं के दुष्प्रभाव के कारण बेहोश हुईं थी।

योडा एप पर अलार्म दिए जाने पर कमांड सेंटर हरकत में आया और उसने तुरंत एक फील्ड केयर प्रतिनिधि को उसके आवास पर भेजा। साथ ही जुपिटर अस्पताल से एक एंबुलेंस भेजी गई।

कम से कम समय में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। इससे उन्हें समय पर इलाज मिल सका। कुछ घंटों तक निगरानी में रहने के बाद सुरक्षित घर लौट आईं।